

## Artificial Intelligence is revolutionizing healthcare

Deepak Kohli  
5/104, Vipul Khand, Gomti Nagar, Lucknow- 226 010, U.P., India  
deepakkohli64@yahoo.in

Received: 04-05-2025, Accepted: 13-08-2025

**Abstract-** The use of Artificial Intelligence (AI) in healthcare services is the beginning of a new era, which is helping in making healthcare services more effective and efficient. Artificial intelligence is a technology that provides machines with human-like intelligence, allowing them to solve complex problems. There has been a growing interest in leveraging artificial intelligence to address healthcare gaps in India's healthcare system in recent years. Artificial intelligence technologies are pivotal in increasing efficiency, improving access to medical facilities, and potentially revolutionizing healthcare delivery in a country where resources are often scarce. Artificial intelligence is excellent at processing data and automating repetitive tasks.

**Key words-**Artificial intelligence, healthcare service, telemedicine, medical system

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता से स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन

दीपक कोहली  
5104, विपुल खंड, गोमती नगर लखनऊ-226 010, उ०प्र०, भारत  
deepakkohli64@yahoo.in

**सार**—स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग एक नए युग का आरंभ है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने में मदद कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी तकनीक है जो मशीनों को मानव जैसी बुद्धिमत्ता प्रदान करती है, जिससे वे जटिल समस्याओं का समाधान कर सकती हैं। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में हाल के वर्षों में स्वास्थ्य सेवा में कमियों को दूर करने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाने में रुचि बढ़ रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों दक्षता बढ़ाने, चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच में सुधार करने और संभावित रूप से ऐसे देश में स्वास्थ्य सेवा वितरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने में निर्णायक हैं जहाँ संसाधन प्रायः कम होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डाटा को संसाधित करने और दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने में उत्कृष्ट है।

**बीज शब्द**—कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य सेवा, टेलीमेडिसिन, चिकित्सा प्रणालियाँ

1. **परिचय**— स्वास्थ्य सेवा में स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कार्यान्वयन से कई लाभ मिलते हैं, विशेषतः सटीकता, दक्षता और लागत-प्रभावशीलता को बढ़ाने में। ये लाभ न केवल रोगी के परिणामों में सुधार करते हैं बल्कि स्वास्थ्य सेवा संचालन को भी सुव्यवस्थित करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम में बड़ी मात्रा में डाटा को तेजी से और सटीक रूप से प्रोसेस और विश्लेषण करने की क्षमता होती है। इसमें मेडिकल रिकॉर्ड, इमेजिंग डाटा, लैब परिणाम और आनुवंशिक जानकारी सम्मिलित है, जो सटीक निदान और उपचार योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्नत एल्गोरिदम के साथ, एआई चिकित्सा डाटा में सूक्ष्म पैटर्न और विसंगतियों का पता लगा सकता है जिन्हें मनुष्य अनदेखा कर सकते हैं। यह सटीकता रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी और जेनेटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अधिक सटीक निदान संबंधी जानकारी प्रदान करके, कृत्रिम बुद्धिमत्ता त्रुटियों को कम करने में सहायता करता है। गलत निदान और देरी से निदान का रोगी की देखभाल पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है, और इन त्रुटियों को कम करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका एक महत्वपूर्ण प्रगति है। इसके अलावा एआई चिकित्सकों के लिए एक सहायक उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो साक्ष्य-आधारित सिफारिशें और अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इससे अधिक सूचित निर्णय लेने और अनुरूप उपचार रणनीतियों की ओर अग्रसर होता है।<sup>1-4</sup>

2. **कृत्रिम बुद्धिमत्ता अभूतपूर्व सटीकता और गति के साथ चिकित्सा निदान में भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में परिवर्तन ला रही है—**

2.1 **रेडियोलॉजी में**—रेडियोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एल्गोरिदम से सूक्ष्म असामान्यताओं का पता लग सकता है जिसे मानव आँख से नहीं देखा जा सकता है। उदाहरण के लिये नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम के परिणामस्वरूप

## वैज्ञानिक ज्ञानवर्धक आलेख

बायोप्सी—स्तन कैंसर की पुष्टि से संबंधित फाल्स—पॉजिटिव और फाल्स—निगेटिव पहचान की त्रुटियों की दरों में 1.2 प्रतिशत और 2.7 प्रतिशत की कमी आई है। जैसे—जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास जारी है इसके द्वारा नेत्र विज्ञान से लेकर पैथोलॉजी तक विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में निदान सटीकता देने की संभावना हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यक्तिगत उपचार योजनाएँ बनाने के लिये बड़ी मात्रा में रोगी डाटा का विश्लेषण करके सटीक चिकित्सा के युग की शुरुआत कर रहा है। किसी व्यक्ति की आनुवंशिक संरचना, जीवनशैली कारकों और चिकित्सा इतिहास पर विचार करके कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उच्च प्रभावकारिता और कम दुष्प्रभावों के साथ लक्षित उपचारों को बढ़ावा मिल सकता है। उदाहरण के लिये आईबीएम वाटसन ऑन्कोलॉजी का उपयोग विश्व भर में 230 से अधिक अस्पतालों में किया गया है जो ऑन्कोलॉजिस्टों को व्यक्तिगत कैंसर उपचार योजनाएँ विकसित करने में सहायता करता है। यह अनुकूलित दृष्टिकोण न केवल रोगी के परिणामों में सुधार करता है बल्कि स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में संसाधन आवंटन को भी अनुकूलित करता है।

**2.2 दवाओं की खोज में—** कृत्रिम बुद्धिमत्ता से दवा की खोज और विकास प्रक्रिया को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे संभावित रूप से जीवन रक्षक दवाओं को तेजी से और कम लागत पर बाजार में लाया जा सकता है। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम जैविक डाटा का विश्लेषण कर सकते हैं, लक्षित—दवा अंतःक्रियाओं की भविष्यवाणी कर सकते हैं और आणविक संरचनाओं को अनुकूलित कर सकते हैं जिससे प्रारंभिक चरण की दवा खोज के लिये आवश्यक समय और संसाधनों में काफी कमी आ सकती है। उदाहरणतः इंसिलिको मेडिसिन ने केवल 46 दिनों में फाइब्रोसिस के लिये एक नई दवा को डिजाइन करने, संश्लेषित करने और मान्य करने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया। जबकि पारंपरिक रूप से ऐसी प्रक्रिया में वर्षों लगते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्लिनिकल प्रणाली को सुव्यवस्थित कर रहा है, प्रशासनिक बोझ को कम कर रहा है और स्वास्थ्य पेशेवरों को रोगी देखभाल पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की अनुमति दे रहा है। प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण एल्गोरिदम स्वचालित रूप से डॉक्टर—रोगी वार्तालाप को लिपिबद्ध और सारांशित कर सकता है, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को अद्यतन कर सकता है और नैदानिक नोट्स तैयार कर सकता है। इसके अतिरिक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित शेड्यूलिंग प्रणालियाँ रोगी के लिये सुलभता कर सकती हैं, प्रतीक्षा समय को कम कर सकती हैं और अस्पतालों में संसाधन आवंटन में सुधार कर सकती हैं।

**2.3 जनमानस तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में—** कृत्रिम बुद्धिमत्ता रिमोट मॉनिटरिंग और टेलीमेडिसिन समाधानों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा की पहुँच का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित पहनने योग्य उपकरण और आई ओ टी डिवाइस, रोगी के महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी कर सकते हैं, विसंगतियों का पता लगा सकते हैं और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को संभावित समस्याओं के बारे में सचेत कर सकते हैं। कोविड महामारी के दौरान टेलीमेडिसिन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग बढ़ गया, बेबीलोन हेल्थ जैसे प्लेटफॉर्म ने मरीजों को प्राथमिकता देने और प्रारंभिक परामर्श प्रदान करने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त चैटबॉट का उपयोग किया। यह तकनीक विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के लिये महत्वपूर्ण है, जहाँ विशेषज्ञों तक पहुँच सीमित है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान करके और जटिल नैदानिक परिदृश्यों का अनुकरण करके चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण में क्रांति ला रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा संचालित आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता प्लेटफॉर्म मेडिकल छात्रों और पेशेवरों के लिये इमर्सिव प्रशिक्षण वातावरण बना सकते हैं। उदाहरण के लिये फंडामेंटलवीआर जैसी कंपनियाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित हैप्टिक आभासी वास्तविकता सिस्टम प्रदान करती हैं जो सर्जनों को यथार्थवादी फीडबैक के साथ बेहतर प्रक्रियाओं को अपनाने की अनुमति देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित अनुकूली शिक्षण प्रणालियाँ चिकित्सा पाठ्यक्रम को व्यक्तिगत छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर सकती हैं जिससे सीखने की प्रक्रिया में तेजी आएगी और अधिक सक्षम स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर तैयार होंगे।

**2.4 भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढाँचे में सुधार हेतु—** भारत के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढाँचे को प्रमुख बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने में चुनौती दे रहे हैं। कई स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध—शहरी क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों को समर्थन देने के लिये आवश्यक बुनियादी तकनीकी अवसंरचना का अभाव है। एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ग्रामीण भारत में 7,821 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में से केवल 3,496 (45 प्रतिशत) में बिजली बैंक—अप की सुविधा है। यह बुनियादी ढाँचागत अंतर परिष्कृत कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों को लागू करना और बनाए रखना कठिन बनाता है। प्रभावी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल के प्रशिक्षण के लिये आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल डाटा की उपलब्धता और गुणवत्ता में भारत को बाधा का सामना करना पड़ रहा है। सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार के प्रदाताओं वाली खंडित स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के परिणामस्वरूप असंगत डेटा संग्रहण प्रथाएँ उत्पन्न होती हैं। भारत के कई स्वास्थ्य केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखा जाता है लेकिन विश्लेषण के लिये इस डेटा को एकीकृत करने के लिये कोई प्रावधान नहीं है, न ही इस बारे में कोई स्पष्ट दिशानिर्देश हैं कि स्वास्थ्य रिकॉर्ड को कितने समय तक रखा जाना चाहिये। डाटा की गुणवत्ता, मानकीकरण और अंतर—संचालन से संबंधित समस्याओं के कारण यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। भारत स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु कतिपय और प्रभावी प्रयास कर सकता है। यथा—भारत उन्नत एआई प्रौद्योगिकियों को शामिल करके अपने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संसाधन भंडार को बढ़ा सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संसाधन भंडार के माध्यम से राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन को एआई रेडी डेटा प्रोटोकॉल के साथ एकीकृत

करके, भारत एक मजबूत एआई हेल्थकेयर मॉडल का निर्माण कर सकता है। एस्टोनिया की ई-स्वास्थ्य प्रणाली की सफलता, जो जनसंख्या के 95 प्रतिशत स्वास्थ्य डेटा को कवर करती है, इस दृष्टिकोण की व्यवहार्यता को प्रदर्शित करती है। इसके अलावा एआई मॉडल भारतीय आबादी के लिये उपयुक्त नहीं होने की चुनौती का समाधान करने के लिये सरकार भारत-विशिष्ट एआई मॉडल विकसित करने के लिये शैक्षणिक संस्थानों और तकनीकी कंपनियों के साथ सहयोग कर सकती है। इन मॉडलों को विविध भारतीय डाटासेट पर प्रशिक्षित किया जाना चाहिये जिसमें आनुवंशिक विविधता, क्षेत्रीय रोग प्रतिरूप और स्वास्थ्य के सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों जैसे कारकों पर विचार किया जाना चाहिये। उदाहरण के लिये आईआईटी-दिल्ली के शोधकर्ताओं ने मलेरिया, टीबी, सर्वाइकल कैंसर के लिये एआई आधारित डिटेक्टर विकसित किये हैं। सरकार भारतीय स्वास्थ्य सेवा के लिये एआई चैलेंज की स्थापना कर सकती है, जो कि सामाजिक कल्याण के क्रम में सफल गूगल एआई कार्यक्रम के समान है जिसमें भारत की अद्वितीय स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों के अनुरूप समाधान विकसित करने के लिये शोधकर्ताओं और स्टार्टअप को आमंत्रित किया जा सकता है।

**2.5 भारत में जन मानस को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु-** नियामक बाधाओं को दूर करने के लिये भारत स्वास्थ्य देखभाल एआई हेतु एक 'नियामक सैंडबॉक्स' बना सकता है, जिससे नियामक पर्यवेक्षण के तहत वास्तविक परिस्थितियों में एआई समाधानों के नियंत्रित परीक्षण की अनुमति मिल सके। यह दृष्टिकोण नवाचार को बढ़ावा देते हुए उचित विनियमन विकसित करने में मदद करेगा। सैंडबॉक्स को भारतीय रिजर्व बैंक के फिनटेक सैंडबॉक्स के अनुरूप तैयार किया जा सकता है, जिसने कई नवीन वित्तीय समाधानों को सफलतापूर्वक विकसित किया है। स्वास्थ्य सेवा एआई हेतु सैंडबॉक्स द्वारा प्रारंभ में प्रशासनिक प्रक्रियाओं या कम जोखिम वाले नैदानिक उपकरणों जैसे गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। कौशल अंतराल को दूर करने के लिये भारत को चिकित्सा और नर्सिंग शिक्षा पाठ्यक्रम में एआई तथा डाटा विज्ञान मॉड्यूल को एकीकृत करना चाहिये। इसमें स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अनिवार्य पाठ्यक्रम, एआई उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और स्वास्थ्य-तकनीक कंपनियों के साथ इंटरशिप शामिल हो सकती है। इसके अतिरिक्त सरकार अभ्यासरत व्यवसायियों के लिये स्वास्थ्य सेवा में प्रमाणित कृत्रिम बुद्धिमत्ता पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिये ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों के साथ साझेदारी कर सकती है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूनाईटेड स्टेट्स के हेल्थकेयर में एआई ऑनलाइन पाठ्यक्रम जैसी पहल की सफलता, इस दृष्टिकोण की क्षमता को प्रदर्शित करती है। इसके अतिरिक्त मरीजों के विश्वास और स्वीकृति संबंधी चुनौती से निपटने के लिये भारत को स्वास्थ्य सेवा में एआई के बारे में व्यापक जन जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिये। इन अभियानों द्वारा सरल एवं सुगम शब्दों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभों और सीमाओं को समझाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये। सोशल मीडिया, टेलीविजन और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों सहित विभिन्न मीडिया चैनलों का उपयोग करना चाहिये। उदाहरण के लिये पल्स पोलियो अभियान की सफलता में सेलिब्रिटी समर्थन और जमीनी स्तर पर लामबंदी का उपयोग किया गया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जागरूकता के लिये भी एक मॉडल हो सकता है।

**3. भविष्य की संभावनायें-** स्वास्थ्य सेवाओं में बुद्धिमत्ता (एआई) का भविष्य अपार संभावनाओं से भरा है, उम्मीद है कि इसकी प्रगति से चिकित्सा प्रणालियों की क्षमताएं और बढ़ेंगी तथा वैश्विक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। स्वास्थ्य सेवा में भविष्य की एआई प्रणालियों को उन्नत सतत् शिक्षण क्षमताओं से लैस होने का अनुमान है। इसका मतलब है कि वे नए डाटा, शोध और परिणामों के आधार पर अपने ज्ञान के आधार और एल्गोरिदम को लगातार अपडेट करेंगे। जैसे-जैसे ये प्रणालियां विविध चिकित्सा मामलों और स्थितियों के प्रति अधिक जागरूक होती जाएंगी, उनकी निदान और उपचार संबंधी सिफारिशें अधिक सटीक और विश्वसनीय होती जाएंगी। निरंतर सीखने से एआई सिस्टम को समय के साथ रोगी-विशिष्ट कारकों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है, जिससे अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्राप्त होते हैं। ये प्रणालियाँ वास्तविक समय में डाटा का विश्लेषण करने, नई स्थितियों के लिए शीघ्रता से अनुकूलन करने तथा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को अद्यतन जानकारी प्रदान करने में सक्षम होंगी। एआई मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण प्रगति करने के लिए तैयार है, जो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने, व्यक्तिगत चिकित्सा अनुशासन और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए सहायता के लिए उपकरण प्रदान करेगा। एआई रोगी के स्वास्थ्य संकेतकों की निगरानी, बीमारी के बढ़ने की भविष्यवाणी, तथा उपचार योजनाओं में निवारक उपाय या समायोजन का सुझाव देकर दीर्घकालिक रोगों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। टेलीमेडिसिन में भी एआई की भूमिका बढ़ने की उम्मीद है, जिससे विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों का अधिक प्रभावी दूरस्थ निदान और प्रबंधन संभव हो सकेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवा अधिक सुलभ हो सकेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य सेवा में प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुव्यवस्थित करेगा, रोगी निर्धारण और बिलिंग से लेकर संसाधन आवंटन तक, जिससे समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की दक्षता में सुधार होगा। सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार करने की क्षमता एआई में है। सटीक निदान और प्रभावी उपचार योजनाएँ प्रदान करके, एआई स्वास्थ्य सेवा असमानताओं में अंतर को पाटने में मदद कर सकता है।

## वैज्ञानिक ज्ञानवर्धक आलेख

4. **निष्कर्ष**— कृत्रिम बुद्धिमत्ता वैश्विक रोग निगरानी, प्रकोप की भविष्यवाणी करने और प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं को तैयार करने में सहायता कर सकता है, जो संक्रामक रोगों के प्रबंधन के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य सिर्फ तकनीकी प्रगति के बारे में नहीं है, बल्कि दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा को अधिकाधिक व्यक्तिगत, कुशल और सुलभ बनाने की क्षमता के बारे में भी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का निरंतर विकास, विभिन्न स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में उनके बढ़ते अनुप्रयोग और वैश्विक स्वास्थ्य प्रभाव की संभावना स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका को इंगित करती है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग संपूर्ण मानव जाति के लिये एक विशिष्ट वरदान से कम नहीं है, जो जटिल बीमारियों के उपचार में सहायक सिद्ध हो रहा है।

## References

1. <https://indiaai.gov.in/article/artificial-intelligence-in-healthcare-a-new-era-for-india>
2. <https://www.mohfw.gov.in/?q=en/pressrelease/measures-taken-government-use-ai-public-health-system>
3. <https://www.weforum.org/stories/2025/04/india-healthcare-ai-innovation/>
4. <https://www.isb.edu/faculty-and-research/isb-institute-of-data-science/research/artificial-intelligence-ai-in-healthcare-a-promising-start-in-india>